मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 233, मुंबई, गुरुवार, 4 नवंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

नवाब मलिक ने फिर किया ट्वीट

बोले- 'होटल ललित में छुपे हैं कई राज मिलते हैं रविवार को'

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने बुधवार की सुबह सभी लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए एक ट्वीट किया है। इस ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि आप सभी की दिवाली मंगलमय हो, इसके आगे उन्होंने लिखा है कि 'होटल द ललित में छुपे हैं कई राज मिलते हैं रविवार को'। इस ट्वीट के जरिए नवाब मलिक ने फिर से यह इशारा दिया है कि रविवार को वह फिर कोई और खुलासा करने वाले हैं। नवाब मलिक इसके पहले समीर वानखेड़े के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने समीर वानखेड़े के ऊपर एक्सटॉर्शन रैकेट चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि समीर वानखेड़े नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो में लोगों को फर्जी तरीके से फंसा कर उनसे पैसे वसूलते हैं। इसी तरह से उन्होंने बॉलीवुड के लोगों को फंसा कर तकरीबन हजार करोड़ से ज्यादा की वसूली की है। इससे दो कदम आगे जाते हुए मलिक ने यह भी कहा कि समीर वानखेड़े मुस्लिम धर्म से ताल्लुक रखते हैं लेकिन उन्होंने फर्जी सर्टिफिकेट के जरिए खुद को दलित समाज का बताते हुए सरकारी नौकरी हासिल की है।

फडणवीस पर गंभीर आरोप

नवाब मलिक ने समीर वानखेडे के अलावा महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के नेता देवेंद्र फडणवीस पर भी गंभीर आरोप लगाया है। मलिक ने यह कहा है कि मुंबई और महाराष्ट्र में ड्रग्स का काला कारोबार देवेंद्र फडणवीस के संरक्षण में होता है। उन्होंने यह भी कहा कि देवेंद्र कि फडणवीस के जयदीप राणा नाम के ड्रग पेडलर से भी घनिष्ठ संबंध हैं। जो फिलहाल जेल में बंद है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ED की जांच में खुलासा
अनिल देशमुख
अलग-अलग नामों से 27 कंपनियां चला रहे थे इनमें कई फर्जी

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ED की हिरासत में हैं। उन्हें करीब 13 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया था। अब ED को ऐसी 13 कंपनियों के बारे में पता चला है जो अनिल देशमुख, उनके बेटों सलिल और ऋषिकेश के सीधे कंट्रोल में थीं। साथ ही 14 ऐसी कंपनियां हैं, जो अनिल देशमुख के करीबियों के कंट्रोल में चल रही थी। सूत्रों के मुताबिक, इनमें कुछ शेल कंपनियां भी हैं। ED की जांच में यह बात सामने आई है कि इन कंपनियों के बीच लगातार ट्रांजैक्शंस हुए हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई के भगोड़े पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह का जांच आयोग को एफिडेविट कहा
मेरे पास और सबूत नहीं

मुंबई। राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ परमबीर सिंह द्वारा लगाए गए 100 करोड़ की वसूली के आरोपों की न्यायिक जांच करने के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा एक सदस्यीय जांच समिति का गठन 30 मार्च को किया गया था। एऊ की तरफ से महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की गिरफ्तारी के दो दिन बाद अचानक मामले में एक नया मोड़ आ गया। देशमुख के खिलाफ 100 करोड़ की वसूली के आरोप की जांच कर रहे चांदीवाल आयोग के सामने एक एफिडेविट आया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी का छलका दर्द
कहा- मुझे हर दिन धमकी भरे 50 कॉल आ रहे आप चाहते हैं तो मैं लटक जाऊंगा

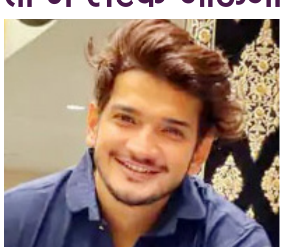

मुंबई। बजरंग दल की धमकियों के बाद स्टैंड-अप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी के मुंबई में तीन शो रद्द हो चुके हैं। यह शो 27 अक्टूबर को होने वाले थे। फारूकी के खिलाफ कुछ संगठनों ने शो के दौरान कुछ हिन्दू देवी-देवताओं के अपमान का आरोप लगाया है। इन आरोपों के बाद फारूकी को साल के शुरू यानी जनवरी में जेल हुई थी। उन्हें तकरीबन एक महीने तक सलाखों के पीछे रहना पड़ा था। फिलहाल फारूकी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने शो रद्द होने के बाद एक वीडियो संदेश जारी किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि आप चाहते हैं कि मैं लटक जाऊं, तो मैं ऐसा कर भी लूंगा, लेकिन इससे किसी पर फर्क नहीं पड़ेगा। मुंबई में रद्द हुए शोज को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें हर दिन जान से मारने की धमकियां आती हैं। वे अब तक अपने तीन नंबर बदल चुके हैं, इसके बावजूद धमकियों का सिलसिला नहीं रुक रहा है। उन्होंने कहा कि अगर देश के युवा यह तय कर सकते हैं कि किसे वोट देना है, तो वे यह भी तय कर सकते हैं कि क्या देखना है? उनका कहना है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने के बाद भी उन्हें काम नहीं करने दिया जा रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

वानखेड़े की 25 लाख की घड़ी ढ़ाई लाख के जूते

मुंबई। राकांपा के मुख्य प्रवक्ता और अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री नवाब मलिक ने आरोप लगाया कि समीर वानखेड़े एक लाख रुपए की पेंट, 70 हजार रुपए से अधिक मूल्य की कमीज तथा 25-50 लाख रुपए की घड़ियां पहनते हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

लोकल पुलिस की जवाबदारी तय करके मुंबई को ड्रग्स मुक्त बनाया जा सकता है

मुंबई। मुंबई ड्रग्स की राजधानी तो नहीं बन रही है ना? यह सवाल इसलिए उठता है क्योंकि पिछले 3 सालों में मुंबई पुलिस ने 208 ड्रग्स विरोधी मामले दर्ज किए हैं और 298 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली को सूचित किया है कि पिछले तीन वर्षों में 131 करोड़ रुपये मूल्य का 3414 किलोग्राम माल जब्त किया गया है। पिछले 3 साल में इस साल कार्रवाई 7 गुना बढ़ी है। अनिल गलगली ने पिछले तीन वर्षों में मुंबई पुलिस से ड्रग्स और अन्य उत्तेजक पदार्थों के बारे में जानकारी मांगी थी। एंटी नारकोटिक्स सेल के सहायक पुलिस आयुक्त संदीप काले ने अनिल गलगली को क्षेत्रीय जानकारी दी हैं। कुल 5 इकाइयाँ कार्यरत हैं जिनमें दक्षिण क्षेत्रीय संभाग- आजाद मैदान इकाई, मध्य क्षेत्रीय संभाग- वरली इकाई, पश्चिम क्षेत्रीय संभाग- बांद्रा, पूर्वी क्षेत्रीय संभाग- घाटकोपर इकाई, उत्तर क्षेत्रीय संभाग- कांदिवली इकाई। अनिल गलगली को एनडीपीएस के तहत वर्ष 2019, वर्ष 2020 और वर्ष 2021 (20/10/2021 तक) तक की गई कार्रवाई से अवगत करा दिया गया है। इन विभिन्न ड्रग्स में कैनबिस, हशीश, एमडी, कोकीन, एमडीएमए, कोडीन, अफीम, एलएसडी पेपर, एल्परजोम, नेट्रावेट टैबलेट शामिल हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

उपचुनावों का संदेश

देश के विभिन्न राज्यों में तीन लोकसभा और 29 विधानसभा सीटों पर हुए उप-चुनाव के नतीजे गहरे निहितार्थ लिए हुए हैं। खासकर हिमाचल प्रदेश के परिणाम केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए सुखद नहीं रहे। पार्टी न सिर्फ लोकसभा की अपनी मंडी सीट कांग्रेस के हाथों गंवा बैठी, बल्कि विधानसभा की तीनों सीटों पर भी कांग्रेस के उम्मीदवारों ने कब्जा कर लिया। गौरतलब है कि अगले ही साल वहां विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं, और इन उपचुनावों को सेमीफाइनल के रूप में देखा जा रहा था। हिमाचल के ये परिणाम इसलिए भी खासे अहम हैं कि इसके पड़ोसी प्रदेशों पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भी अगले साल के पूर्वार्द्ध में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने इस करारी हार के लिए यदि महंगाई को उत्तरदायी ठहराया है, तो इसे बचाव का बयान नहीं समझा जाना चाहिए। यह सही है कि महंगाई लोगों के दैनंदिन जीवन पर असर डालने लगी है और इसके लिए यहां पेट्रोल-डीजल या खाद्य पदार्थों के दाम याद दिलाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र से भी अच्छी खबर नहीं आई है, और न ही वह कर्नाटक के परिणाम से बहुत संतोष कर सकती है, जहां कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के गृह जिले की सीट भाजपा से छीन ली है। भाजपा के लिए सुखद खबरें असम और मध्य प्रदेश से हैं, जहां उसका जलवा बरकरार है। असम में बिखरे हुए विपक्ष ने भाजपा का काम आसान कर दिया और उसके नेतृत्व में सत्तारूढ़ गठबंधन ने वहां एकतरफा जीत हासिल की है, तो वहीं मध्य प्रदेश में भी उसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। हालांकि, लोकसभा की तीन सीटों में से दो पर कांग्रेस और उसकी सहयोगी शिव सेना की जीत से विपक्ष का हौसला बढेगा, और एनडीए इस परिणाम को नजरअंदाज नहीं कर सकता। यकीनन, लोकसभा में अंकगणित पर इससे कोई खास असर नहीं पड़ने वाला, पर ये परिणाम लोगों की आकांक्षाओं को परिलक्षित तो करते ही हैं। अमूमन, उपचुनावों में राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियों का दबदबा होता है, और इस चुनाव में भी हिमाचल और कर्नाटक को छोड़ दें, तो आम तौर पर यही रुख दिखा है, मगर बिहार की दो सीटों को जिस तरह से राजद ने अपनी प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया था, उनके परिणामों में तेजस्वी यादव के लिए गहरे संदेश हैं। उन्होंने लालू यादव तक को इन सीटों के चुनाव प्रचार के लिए उतार दिया था, लेकिन वह अपने गठबंधन को एकजुट नहीं रख पाए। अब चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि कांग्रेस के भी चुनाव लड़ने और दोनों दलों के नेताओं की आपसी तू तू-मैं मैं को मतदाताओं ने सहजता से नहीं लिया है। बिहार में एक तरफ सत्तारूढ़ गठबंधन मजबूती से साथ था, तो दूसरी तरफ राजग में फूट थी। राजनीति में रणनीतिक जीत के लिए कई बार कुछ कदम पीछे हटना पड़ता है, और इसकी मिसाल 2015 में खुद राजद-जद(यू)-कांग्रेस गठबंधन ने पेश की थी। इसका लाभ महागठबंधन को मिला भी था। सियासत जोश के साथ होश की भी मांग करती है, भाजपा की असम विजय इसकी बानगी है। उपचुनावों के परिणाम जहां कांग्रेस को बता रहे हैं कि मध्य प्रदेश क्यों उसके लिए मुश्किल है, तो भाजपा को महंगाई, किसान आंदोलन को गंभीरता से लेने के लिए आगाह भी कर रहे हैं।

त्योहारों में छोटे दुकानदारों को दें सहारा

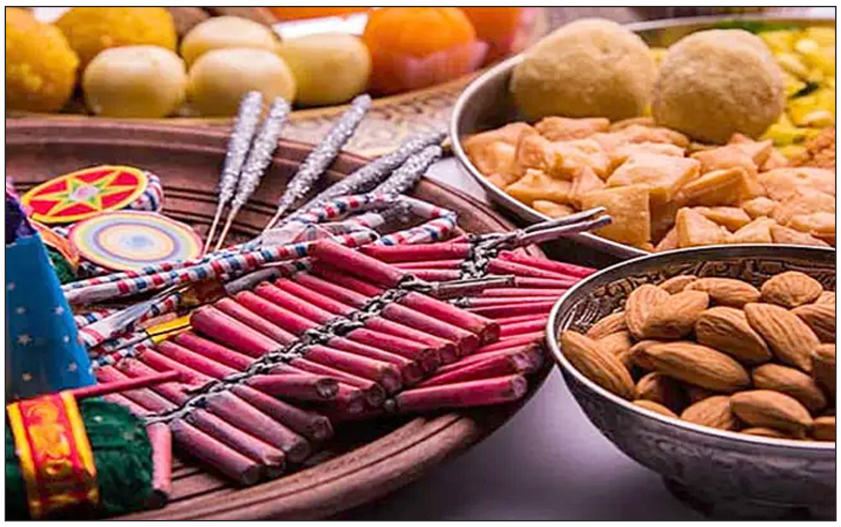

महामारी की बंदिशों से सबसे ज्यादा नुकसान छोटे व्यापारियों को हुआ है... उनका कामकाज ठप हो गया या कम चला, लेकिन अब समय आ गया है कि हम सब मिल कर भारत के इस हिस्से को सहारा दें. ..

दीपावली की रौनक से बाजार गुलजार हैं। दीया, पुरुआ, खील-बताशे और मिठाइयों की दुकानें सजी हैं। रोशनी के लिए मोमबत्तियों, बिजली की लड़ियों और कंदील की सेल हो रही है। महामारी के डर से लोग डेढ़ साल से अधिक समय तक घरों में बैठे रहे। उन्होंने इस दौरान पैसे को दांत से पकड़ कर रखा, लेकिन इस दिवाली पर सारी कसर पूरी होती दिख रही है। मध्यम वर्ग की जेब में पड़ा पैसा अब खनक रहा है।

घर से बाहर निकलने की मानो होड़ सी लगी है। बाजार में अगर कोई चीज कम दिख रही है, तो वे हैं चीन में निर्मित उत्पाद और खिलौने आदि। पर इतनी जल्दी चीन पर निर्भरता पूरी तरह से खत्म नहीं होगी। व्यापार से जुड़ी तमाम चीजों, दवाओं, रसायनों व कच्चे माल के लिए भारत अभी भी चीन पर निर्भर है, यहां तक कि खेतों में लगाने के लिए रासायनिक खाद तक, लेकिन कुछ बातें हैं, जिनके चलते अब चीन का रुतबा घट रहा है।

भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल जैसी नीतियों तथा लद्दाख में चीनी घुसपैठ कुछ ऐसे ठोस कारण हैं, जिनकी वजह से चीन में तैयार उपभोक्ता उत्पादों से भारतीय लोगों का मोहभंग हुआ है। एक तो चीनी माल सस्ता होता था और फिर भारतीय वस्तुओं के विकल्प कम थे या महंगे होते थे, जिसकी वजह से चाहे-अनचाहे मेड इन चाइना माल से बाजार पटे रहते थे। कोविड महामारी से पहले भारत समेत दुनियाभर में चीनी सामान की तूती बोलती थी। अमेरिकी लोगों के घरों में भी ज्यादातर सामान मेड इन चाइना ही होता था। तभी तो चीन अकड़ता रहा है।

दरअसल, हमारे इस पड़ोसी देश ने अपने यहां तकनीकी शिक्षा पर बहुत जोर दिया है। दसवीं कक्षा के बाद युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देने के लिए चीन में हजारों इंस्टीट्यूट व कॉलेज हैं। दूसरी ओर, भारत में अनुपयोगी बीए, एमए डिग्री वालों की भरमार है और तकनीकी हुनर को हिकारत की नजर से देखा जाता है। इसीलिए हमारे यहां तकनीशियन, मिस्त्री, कारीगर कम हैं या फिर जो हैं, वे ठीक से शिक्षित नहीं है। चीन में टेक्निकल वर्कफोर्स की कमी नहीं है, हमेशा से औद्योगिक उत्पादन पर जोर रहा है, इसलिए वहां कारखानों में तरह-तरह के उत्पाद भारी मात्रा में तैयार होते हैं।

थोक उत्पादन होने की वजह से चीनी माल की कीमत काफी कम होती है। खिलौनों का बाजार तो अभी तक चीन के ही कब्जे में रहा है, परंतु अब स्थिति में बदलाव हो रहा है। भारत सरकार अब स्थानीय चीजों के उत्पादन को प्राथमिकता दे रही है। अब भारत न सिर्फ अपने लिए, बल्कि दुनिया के अन्य मुल्कों के लिए भी माल तैयार करने में जुट गया है।

खिलौनों की बात करें, तो गत वर्ष चीनी घुसपैठ के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय खिलौनों को बढ़ावा देने की बात कही थी। उन्होंने युवाओं और कारीगरों से अपील की थी कि देसी खिलौनों का उत्पादन करनेवाले स्टार्टअप शुरू करें और खिलौनों में नयापन लायें। इसका असर अब देखने को भी मिल रहा है। देश के खिलौना बाजार में 50 फीसदी से ज्यादा खिलौने भारत में निर्मित हैं। ये आकर्षक, टिकाऊ और किफायती भी हैं।

दिल्ली के झंडेवालान इलाके में खिलौनों का सबसे बड़ा बाजार है, जहां 150 से ज्यादा दुकानें हैं। वहां बच्चों की साइकिलें और तरह-तरह के खिलौने बिकते हैं। भारतीय खिलौना विक्रेताओं को उम्मीद है कि स्वदेशी खिलौनों की बिक्री और बढ़ेगी। देश में आम लोग अब भारत में निर्मित खिलौनों की मांग करने लगे हैं।

सभी का बचपन खिलौनों के साथ ही बीतता है। खिलौने बच्चों के कोमल मस्तिष्क पर गहरा असर डालते हैं। इसीलिए डेनमार्क के सबसे बड़े खिलौना निमार्ता लेगों ने तय किया है कि अब उनके यहां लिंग के हिसाब से खिलौने नहीं बनाये जायेंगे। विभिन्न देशों के छह से 14 साल तक के बच्चों के बीच हुए एक ग्लोबल सर्वे से पता चला है कि 71 प्रतिशत लड़के अक्सर लड़कियों के खिलौनों से नहीं खेलना चाहते।

संगी-साथियों के बीच उन्हें अपना मजाक बनने का डर सताता है। लड़कियों के खिलौने प्रायः रसोई, गुड़िया, फैशन, मेकअप और घरेलू कामकाज से जुड़े होते हैं, जबकि लड़कों के खिलौने गणित, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी से ताल्लुक रखते हैं।

सर्वे में माता-पिता ने माना कि वे लड़कों को खेलकूद और लड़कियों को डांस व कुकिंग आदि सिखाते हैं। बहुत कुछ बदल रहा है, आगे और बदलेगा।

हाल ही में मन की बात कार्यक्रम में एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी ने दोहराया कि स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल पर जोर दिया जाए। ठीक भी तो है, स्थानीय दुकानदारों, छोटे विक्रेताओं और देसी कारीगरों द्वारा तैयार वस्तुएं खरीदने से भारत का मान बढ़ेगा तथा गरीब के घर में भी पैसा पहुंचेगा। हर घर में रौनक होगी। हर घर में दीपावली की खुशी महसूस की जायेगी। सबका धंधा चलेगा, सबकी जेब में पैसा पहुंचेगा, तभी सही मायने में मनेगी दीपावली।

कोरोना की मार से वैसे भी छोटा दुकानदार और व्यापारी ही सबसे अधिक परेशान रहा है। उसका काम-धंधा या तो बंद रहा या बहुत कम चला। अब समय आ गया है कि पूरा भारत मिल कर पूरे भारत को सहारा दे। त्योहारी खरीदारी के समय दिखायी गयी यह उदारता देश को खुशहाली की ओर ले जायेगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

भारत मोदी शासित त्रिपुरा जल रहा है अब तक 27 मस्जिदों में हमले की खबर है लेकिन पूरा सन्नाटा पसरा है मीडिया में बहुत दिनों से हिंसा हो रही है

संवाददाता / सैय्यद अलताफ हुसैन

त्रिपुरा। अगर किसी पडोसी मुल्क के अल्पसंख्यकों के किसी एक घटना का मसला होता तो पूरी प्रधानमंत्री से लेकर एक मामूली गोदी मीडिया तक सब जहर नफरत उगल रहे होते। पिछले हफ्ते बांग्लादेश में कुछ मंदिर में क्या तोड़-फोर हुई, भारत का पूरा मीडिया सारा न्यूज छोड़कर लोगों में नफरत फैलाने के लिए उसपर बहस करने लगें। लेकिन अपने ही देश भारत के त्रिपुरा में लगातार कई दिनों से मुस्लिमों पर एक तरफा हमला जारी है, मुसलमानों की हत्या किया जा रहा है उनके घरों को दुकानों को,मस्जिदों को जलाया जा रहा है।लेकिन बेशर्म गोदी मीडिया और पुलिस प्रशासन खामोश तमाशबीन बनी हुई है, न ही इसपर पर कोई चर्चा हो रहा है और न ही मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा रूक रहीं है।इस हिंसा की पूरी जिम्मेदार मीडिया और सत्ता पार्टी मोदी,भागवत, फरर गैंग व बीजेपी व उसके नेता है। जो खुलेआम बंग्लादेश में हुए हिंदू मन्दिरों पर हमले का बदला भारत में लेने की बात कर रहे थे।

नवी मुंबई के वाशी परिसर में एक ही परिवार के तीन लोगों ने की जहर खाकर आत्महत्या

संवाददाता / समद खान

नवी मुंबई। बीते 2 वर्षों से कोरोना काल के चलते देश की आर्थिक स्थिति बुरी तरह से चरमरा गई जीडीपी गिरकर निचले स्तर पर आ गया। लोगों के पास काम धंधा नहीं है और हालात यह हो गए हैं कि लोगों के खाने के लाले पड़ गए हैं ऐसा ही एक आर्थिक परिस्थिति से गुजर कर एक ही परिवार के तीन लोगों ने आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। यह घटना 27 अक्टूबर शनिवार की है वाशी पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रमोद तोडरमल द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान मोहनी कामवनी वर्ष 87 उनका सुपुत्र दिलीप वर्ष 67 उनकी बेटी कांता वर्ष 65 यह तीनों लोगों ने अपने ही घर मैं जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पड़ोसियों द्वारा इन तीनों को नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया जहां पर एक के बाद तीनों लोगों की मौत हो गई। पुलिस द्वारा यह बताया जा रहा है मुक्तक मोहनी कामवनी स्वर्गीय नारायणदास कामवनी की विधवा थी। जोकि स्वतंत्र सैनिकआनी थे और महात्मा गांधी मैं एसोसिएट पद पर कार्यत थे इनके दोनों बच्चे की शादी नहीं हुई थी। इन लोगों का किसी मामले को लेकर एडवोकेट विनोद नामक व्यक्ति के साथ न्यायालय में केस चल रहा था और केस के चलते इनकी आर्थिक स्थिति बुरी तरह से चरमरा गई। जिसके चलते इन तीनों ने जहर खाकर अपने प्राणों को त्याग दिए मकान मैं पंचनामा के दौरान पुलिस को किसी तरह का कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला। फिलहाल पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि आखिर वह कौनसा संगीन मामला था। जो न्यायालय में चल रहा था जिनके कारण इन तीनों ने अपने प्राणों को गवा दिया।

आर बी एस के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष पद पर आवेश मोहम्मद अली सैयद की नियुक्ति अताउल्लाह खान को बनाया गया राष्ट्रीय प्रवक्ता

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। आरबीएस के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष पद पर आवेश मोहम्मद अली सैयद की नियुक्ति की गई इनके द्वारा लिया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस पर इन्होंने मुंब्रा कौसा के सत्ताधारी पार्टी द्वारा किया गया तमाम भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर करने की बात कही है और उन्होंने रशीद कंपाउंड परिसर के जुबेर अंसारी के बारे में बताया कि उन्होंने अपने मकान के आगे 35 फुट जगह अवैध तरीके से कब्जा कर ली है और इसी के चलते स्थानीय रहवासियों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मुंब्रा पुलिस और टीएमसी विभाग से लगातार छह महीने से की जा रही शिकायतों पर सुनवाई नहीं की जा रही है। इसको मद्देनजर रखते हुए भूख हड़ताल करने पर मजबूर हो गए लेकिन मुंब्रा के नए नियुक्त वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादाहीरे के चोरे द्वारा दिया गया। आश्वासन कि 4 दिनों के अंदर जुबेर अंसारी पर कार्यवाही की जाएगी इस संदर्भ में उन्होंने अपने भूख हड़ताल को स्थगित कर दिया है और उन्होंने बीड़ा उठाया है कि मुंब्रा कौसा की जनता के लिए जो भी मुमकिन कदम होंगे इस शहर को सुंदर बनाने के लिए जरूर उठाएंगे राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किए गए। अताउल्ला खान ने भी पत्रकार द्वारा पूछे गए आर्यन खान के सवालों पर जवाब देते हुए बताया कि राकांपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अल्पसंख्याक मंत्री नवाब मलिक द्वारा जो खुलासे किए गए समीर वानखेडे के खिलाफ उसको सही बताया और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा कहा गया था कि मैं दिवाली बाद बम फोड़ दूंगा और उन्होंने नवाब मलिक पर यह आरोप लगाया है कि उनकी अंडरवर्ल्ड से संबंध है। यह सिर्फ राजनीतिक फंडा है और कुछ भी नहीं वह सिर्फ समीर वानखेड़े को बचाना चाह रहे हैं फिलहाल जो भी आरोप नवाब मलिक ने समीर वानखेड़े के ऊपर लगाए हैं उसकी निष्पक्षता से जांच होनी चाहिए उनके किए गए खुलासों पर सरकार को गंभीरता से गौर करना चाहिए और बताया कि हमारी पार्टी द्वारा 6 नवंबर को राष्ट्रीय स्तर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस ठाणे मैं की जाएगी वहीं दूसरी ओर जुबेर अंसारी द्वारा यह बताया जा रहा है कि मुझ पर जो भी आरोप आवेश ने लगाए हैं। वह सरासर गलत है मैंने किसी तरह की कोई भी जमीन पर कब्जा नहीं किया है। दरअसल वह जमीन मेरे वालिद ने रशीद मुल्लाह से खरीदी थी और उसका रजिस्ट्रेशन भी हुआ है और उन्होंने स्पष्ट कर दिया। अगर वह मुझे गुंडा कह रहे हैं वह पहले अपने गिरेबान में झांक ले कि वह क्या है। उनका चरित्र क्या है फिर मुझसे बात करें यह मेरी छवि को खराब करने की नाकाम कोशिश की जा रही है। अगर मैं गुंडा हूं तो वह मुझे बता दें कि मेरे खिलाफ मुंब्रा पुलिस स्टेशन में कितने केस चल रहे हैं। फिलहाल उन्होंने जो आरोप मुझ पर लगाया है मैं उसका पूरी तरह से खंडन करता हूं उन्होंने और एक बात कही जो भी आरोप मुझ पर आवेश ने लगाए हैं अगर वह सिद्ध नहीं कर सके तो मैं मानहानि का दावा करूंगा।

आरबीएस अत्ताउल्लाह खान राष्ट्रीय प्रवक्ता

आरबीएस आवेश मोहम्मद अध्यक्ष कलवा मुंब्रा

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

नवाब मलिक ने फिर किया ट्वीट ....

नवाब मलिक के आरोप पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि दिवाली के पहले नवाब मलिक ने एक फुलझड़ी जलाई है। दिवाली के बाद बीजेपी धमाका करेगी और नवाब मलिक का अंडरवर्ल्ड कनेक्शन सबके सामने उजागर होगा। नवाब मलिक ने चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा कि 'मैं तैयार हूं'। मलिक ने यह भी कहा कि बीते 62 सालों से वह इस शहर में रह रहे हैं। आज तक उनके ऊपर इस तरह का आरोप किसी ने नहीं लगाया है। मलिक ने यह भी कहा कि जिस 'माई के लाल में दम है वह इस बात को साबित करके दिखाए'।

ED की जांच में खुलासा अनिल देशमुख....

ED ने कोर्ट में दावा किया है कि इन संस्थाओं का इस्तेमाल कथित तौर पर अनिल देशमुख के गलत तरीके से कमाए गए धन के इस्तेमाल के लिए किया गया था। जब इनसे जुड़े बैंक खातों की जांच की गई, तो पता चला कि देशमुख के परिवार के मेंबर्स के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित कंपनियों से बड़े पैमाने पर पैसे का फ्लो हुआ है। इन कंपनियों की बैलेंस शीट और बैंक अकाउंट स्टेटमेंट की जांच से संकेत मिलता है कि इनमें से कुछ संस्थाओं का कोई वास्तविक व्यवसाय नहीं है। उनका उपयोग केवल फंड के रोटेशन के लिए किया जा रहा है। ED ने इस संबंध में कई दस्तावेज भी अदालत में सबूतों के तौर पर पेश किये हैं। अनिल देशमुख, मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह द्वारा लगाए 100 करोड़ की वसूली मामले के आरोपी भी हैं। उनके खिलाफ CBI भी जांच कर रही है। हालांकि, ED ने इनकी गिरफ्तारी एंटीलिया केस में गिरफ्तार बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वझे द्वारा वसूले 4.7 करोड़ रुपए के मामले में की है। ये पैसे सचिन वझे ने मुंबई के कई रेस्तरां और बार ओनर्स से लिए गए और देशमुख के निजी सचिव (पीएस) संजीव पलांडे और निजी सहायक (पीए) कुंदन शिंदे को दिए थे। दोनों को ED अरेस्ट कर चुकी है।

मुंबई के भगोड़े पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह ....

दावा किया जा रहा है कि यह एफिडेविट पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह की ओर से भेजा गया है, जो इस समय भगोड़े घोषित हैं। एफिडेविट में परमबीर की तरफ से लिखा गया है कि उनके पास अनिल देशमुख के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं हैं। यह भी कहा है कि उनके पास देशमुख के खिलाफ और कोई सबूत ही नहीं है। चांदीवाल आयोग के विशेष लोक अभियोजक के मुताबिक, पिछली सुनवाई में चांदीवाल आयोग को यह हलफनामा सौंपा गया था। सिंह के वकीलों ने भी इसकी पुष्टि की है। इससे पहले कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने रविवार को आरोप लगाया कि फरार चल रहे मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह बेल्जियम में हैं। राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ परमबीर सिंह ने 100 करोड़ रुपये की वसूली के आरोप लगाए थे। इस आरोप की न्यायिक जांच करने के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा एक सदस्यीय जांच कमेटी का गठन 30 मार्च को किया था। इसी मामले में तीन मई को जारी एक अधिसूचना में राज्य सरकार ने जांच कमेटी को सिविल कोर्ट की शक्तियां प्रदान की हैं। परमबीर सिंह के आरोप की जांच पूर्व जस्टिस कैलास उत्तमचंद चांदीवाल की एक सदस्यीय जांच टीम कर रही है। यह कमेटी परमबीर का बयान दर्ज करने के लिए कई बार उन्हें बुला चुकी है। लेकिन वे एक बार भी हाजिर नहीं हुए।

वानखेड़े की 25 लाख की ......

उन्होंने कहा कि एक ईमानदार और सच्चा अधिकारी इतने महंगे कपड़े कैसे खरीद सकता है? उन्होंने दूसरे लोगों को गलत तरीके से फंसा कर करोड़ों रुपए की वसूली की है। मलिक ने पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि मंत्री का अंडरवर्ल्ड से नाता है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा है तो, जब आप मुख्यमंत्री थे तो आपने मेरे खिलाफ जांच क्यों नहीं शुरू की? मलिक ने कहा कि वानखेड़े के पास काम करने के लिए एक निजी सेना है। मलिक ने यह भी दावा किया कि पिछले 15 दिनों से नवी मुंबई के रायगड़ जिले में जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह (जेएनपीटी) में मादक पदार्थ के तीन कंटेनर पड़े हैं। उन्होंने सवाल किया कि राजस्व खुफिया विभाग द्वारा इस पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? समीर वानखेड़े ने नवाब मलिक को करारा जवाब दिया है। वानखेड़े ने कहा कि नवाब मलिक को ज्यादा दूर नहीं बस अंधेरी स्थित लोखंडवाला मार्केट जाना चाहिए। वहां, उन्हें सभी ब्रांड और उनके रेट मिल जाएंगे। उन्होंने कहा कि मालिक बिना सिर पैर की बात कर रहे हैं। शायद उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। मलिक ने जो कुछ भी मेरे कपड़ों को लेकर कहा है वह महज अफवाह है उससे ज्यादा कुछ नहीं।

लोकल पुलिस की जवाबदारी ......

2019 और 2020 की तुलना में ड्रग्स विरोधी सेल 2021 में अधिक सक्रिय हो गया है और 20 अक्टूबर 2021 तक कार्रवाई 7 गुना बढ़ गई है। वर्ष 2019 में 1343 स्ट्रिप्स, 7577 बोतल और 1551 डॉट मिलीग्राम सहित 394.35 किलोग्राम माल जब्त किया गया था। कुल लागत 25.29 करोड़ रुपये है। वर्ष 2020 में 5191 बोतल, 66000 टैब 14 डॉट मिलीग्राम सहित 427.277 किलोग्राम माल जब्त किया गया। कुल लागत 22.24 करोड़ रुपये है। 20 अक्टूबर, 2021 को 2592.93 किलोग्राम माल जब्त किया गया और 83.19 करोड़ रुपये मूल्य के 15830 बोतलें और 189 एलएसडी कागज जब्त किए हैं।

आदिवासी समुदाय और बेघर लोगों के साथ खुशियाँ बांटने के लिए ग्रँड मराठा फाउंडेशन ने उनके साथ मिलकर दिवाली का जश्न मनाया

महाराष्ट्र में समाज कल्याण के क्षेत्र में अपने कार्यों के लिए लोकप्रिय गैर-सरकारी संगठन, ग्रँड मराठा फाउंडेशन (GMF) ने भिवंडी और कर्जत में सुविधाओं से वंचित आदिवासी समुदाय के लोगों तथा मुंबई एवं ठाणे की झुग्गी बस्तियों से कूड़ा बीनने वाले बेघर लोगों के साथ मिलकर इस साल दिवाली का जश्न मनाया। GMF ने 30 और 31 अक्टूबर, 2021 को इन लोगों के बीच दिवाली की मिठाईया, कपड़े, ऊनी कपड़े, कंबल, चादरें, जूते, सूखा राशन और नाश्ता आदी सामानका वितरण किया। अनुदान की इस पहल से झुग्गी बस्तियों और अन्य लक्षित क्षेत्रों में 1000 से अधिक लाभार्थियों को फायदा मिला। श्रीमती माधवी शेलटकर (GMF की ट्रस्टी) और श्री रोहित शेलटकर (GMF के संस्थापक) के मार्गदर्शन में इस पहल की योजना तैयार की गई थी, तथा ग्रँड मराठा फाउंडेशन के स्वयंसेवकों के सहयोग से इस वितरण कार्य को पूरा किया गया। इस पहल के बारे में बताते हुए, श्री रोहित शेलटकर, फिल्म निमार्ता और ग्रँड मराठा फाउंडेशन के संस्थापक, ने कहा, विभिन्न पहलों के माध्यम से समाज के कमजोर तबके के लोगों को सशक्त बनाना ही ग्रँड मराठा फाउंडेशन का मिशन है, और इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए हमने मुंबई, ठाणे, भिवंडी और कर्जत की झुग्गी बस्तियों में सुविधाओं से वंचित एवं बेघर लोगों के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया है। हमारी कोशिश यही है कि वे लोग भी दूसरों की तरह त्यौहार के उत्सव का आनंद ले सकें। ग्रँड मराठा फाउंडेशन किसानों को चौतरफा शैक्षिक सहायता प्रदान करता है। इसमें बेहतर आजीविका पैदा करने और कर्ज व गरीबी के दुष्चक्र को तोड़ने के लिए किसानों को सशक्त बनाने हेतु उचित मूल्य से लेकर कुशल वितरण एवं आधुनिक तकनीकों के बारे में शिक्षित करना शामिल है। विदर्भ के इलाके पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ ग्रँड मराठा फाउंडेशन किसानों के बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करके उनको सशक्त बनाने हेतु वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराता है। फाउंडेशन ने कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र से संबद्ध गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया है, जिनसे विधवाएं जुड़ी हुई हैं, और उन्हें अपनी आजीविका कमाने के साधन उपलब्ध कराए जाते हैं। इस फाउंडेशन ने स्कूलों को कंप्यूटर दान करके ई-लर्निंग को भी प्रारंभ एवं प्रोत्साहित किया है। फाउंडेशन महाराष्ट्र के अकोला, अमरावती, यवतमाल, चंद्रपुर और नागपुर इलाकों में सक्रिय है तथा किसानों और उनके परिवारों के सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी निभाता है। परिचालन संबंधी गड़बड़ियों को कम करके किसानों को भविष्य के लिए तैयार करना तथा उन्हें बेहतर जीवन जीने के लिए सशक्त बनाना इसका उद्देश्य है।

बुलडाना अर्बन मे आयकर विभाग कि कोई रेड नहीं थी बल्कि खाता कि पूछताछ जमा राशि सुरक्षित - राधेश्याम चांडक

बुलडाना अर्बन मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटी की मुख्य शाखा में पिछले पांच दिनों से आयकर विभाग की टीम जांच कर रही है. बुलडाना अर्बन के संस्थापक अध्यक्ष राधेश्याम चांडक ने कहा कि इसमें कई तरह की अफवाहें फैलाई गईं, हालांकि, यह आयकर विभाग की छापेमारी नहीं थी, बल्कि खातों की एक रूटिंग जांच थी। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन के खाताधारकों की जमा राशि पूरी तरह सुरक्षित है. बुलडाना अर्बन को-ऑपरेटिव मल्टीस्टेट की मुख्य शाखा की पिछले चार-पांच दिनों से आयकर विभाग द्वारा जांच की जा रही है। इस संबंध में कुछ लोगों ने छापेमारी की अफवाह फैला दी थी। हालांकि अभी तक बुलडाना अर्बन में आयकर विभाग की ओर से छापेमारी नहीं हुई है। लोक निर्माण मंत्री अशोक चव्हाण के सुभाष शुगर हडगांव, एम. वी शुगर्स उमरी, भाऊराव शुगर नांदेड़, भाऊराव शुगर नांदेड़ चीनी मिलों को दिए गए कर्ज की जांच की गई है। बुलडाना अर्बन के संस्थापक अध्यक्ष राधेश्याम चांडक उन्होंने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते बताया है के दौरान खाताधारकों का भरोसा कम नहीं हुआ है बल्कि जमा में इजाफा हुआ है। इसलिए राधेश्याम चांडक ने खाताधारकों से बिना किसी संदेह के अपना विश्वास बढ़ाने की अपील की है।

सुरेखा तुकाराम भोसले इन्हे जीवन गौरव पुरस्कार सम्मानित

संवाददाता योगिता तांबोळी औरंगाबाद जिल्हा।
शब्दमत वर्तमान पत्र आयोजित 30/10/2021 शाम 7 बजे मौलाना आझाद रिसर्च सेंटर औरंगाबाद मे लोकपत्र वृत्त के संपादक रविंद्र तहेकीक के अध्यक्षता मे और आझाद अली शाह शिक्षण संस्था के मुख्य प्रशासकीय अधिकारी खान साजिद पाशा, शब्दमत के मुख्य संपादक अजमत पठाण, लातूर के मोहसीन खान, जवेरीया अशरफ मोती मोतीवाला, अभिनेत्री पुष्पा चौधरी, डॉ. प्रविण निचत आदि मान्यवरो की मौजूदगी मे यह वर्धापन दिन मनाया गया। इस अवसर पर विविध क्षेत्र मे कार्य करनेवाले मान्यवरो का सम्मानित किया गया, इसमे प्रशासकीय महिलाए, बचतगट सदस्या, भूमि जनशक्ति किसान संघटना के महासचिव महाराष्ट्र राज्य जीवन गौरव इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

लोढ़ा फाउंडेशन ने जरूरतमंद बच्चों के संग मनाई दिवाली...

सुप्रसिद्ध समाजसेविका, लेखिका व कवयित्री श्रीमती मंजू लोढ़ा के कुशल नेतृत्व में लोढ़ा फाउंडेशन ने जरूरतमंद बच्चों के संग मनाई दिवाली मनाई। मुंबई के समीप पालघर जिला के वाड़ा तालुका के आदिवासी इलाके गारगांव, गलाचपाड़ा, डोगरपाड़ा, वनगानपाड़ा आदि के जरूरतमंद बच्चों के लिए कल दिवाली की मिठाई तथा आवश्यक सामग्री भिजवायी। ये वह बच्चे हैं जिन्होंने गरीबी के कारण आजतक कभी दिवाली नहीं मनाई थी। संस्था की ओर से यह खुशियां बांटते श्रीमती रचना शिरसाट तथा अन्य सहयोगी गये। साथ ही सुप्रसिद्ध समाजसेविका, लेखिका व कवयित्री श्रीमती मंजू लोढ़ा ने आज मालाबार हिल के आस-पास के रहने वाले जरूरतमंद बच्चों तथा रास्ते पर बैठने वाले मोची, फूल वाले, टैक्सी चलाने वाले आदि के बीच जाकर मिठाई तथा चॉकलेट वितरित किये। उन्होंने बतलाया कि उन बच्चों के मुस्कान के आगे सब कुछ फीका लगता है। उनको दी गई छोटी-छोटी खुशियाँ, छोटी नहीं बल्कि अतुलनीय व अमूल्य यादगार होती है। प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़कर समाज के आर्थिक रूप से निचले पायदान पर खड़े लोगों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दी तथा हर घर के अँधेरे में उजाला हो ऐसी कामना की।

मुंबई कॉंग्रेस सचिव डॉ त्रिलोकी मिश्रा की संस्तुति पर ईशान्य मुंबई कॉंग्रेस के नवनियुक्त उपाध्यक्ष विजय तिवारी, मुख्य सचिव गणेश शिंदे एवं सचिव भरत सिंह और राधेरमण मिश्र ने डॉ मिश्रा के निवास जाकर उनका आभार व्यक्त किया।

दो माह बाद भी कालियास के कालू भील का सुराग नहीं, परिवार को हत्या होने की आशंका

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। जिले की आसींद तहसील के कालियास कस्बे के वार्ड नंबर 3, रेगर मौहल्लै में रहने वाले कालू भील विगत दो माह से अपने घर से लापता हो गया है। जिसका अभी तक सुराग नहीं लग पाया हैं, जिससे उसके घर वाले किसी अनहोनी आशंका के चलते परेशान हैं। कालियास कस्बे के युवा भाजपा कार्यकर्ता कमलेश मेघवंशी व लापता कालू भील के छोटे भाई की बहु कमला भील ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि कालू भील उसके जेठ लगते हैं। वह निहायत ही गरीब और दिल से भोले हैं। कमला ने बताया कि पहले भी उसके जेठ कालू भील का पहले भी अपहरण कर लिया गया था, जिसकी सूचना उसके परिवार वालों को दो साल बाद मिली थी और कालू को भीलवाड़ा के पास से ही परिवार वाले लेकर आए थे। अब भी कमला व उसके परिवार ने आशंका जताई कि उसके जेठ कालू भील के भोलेपन का फायदा उठाकर उसके शोषण व हत्या करने की आशंका जताई हैं। कमला भील ने आशंका जताई कि उसके जेठ कालू भील के भोलेपन का फायदा उठाकर उसके साथ मारपीट करके उससे किसी भी तरह का कठिन काम करवाया जा सकता हैं और उसके नहीं करने पर उसके साथ मारपीट करके उसकी हत्या तक की जा सकती हैं। भाजपा कार्यकर्ता कमलेश मेघवंशी व कमला भील ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि लापता कालू भील की जानकारी किसी के द्वारा देने पर उसे उचित ईनाम दिया जाएगा! जब राठौड़ ने अपने स्तर पर इस मामले की सारी जानकारी जुटाई तो उसमें उसके भोलेपन और दिमाग से कमजोर होने की बात सामने आई है। कमला भील ने इसकी सूचना देने के लिए राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ के इस नंबर पर 08094188158, 09799988158 व तथा भाजपा कार्यकर्ता कमलेश मेघवंशी के मोबाईल नंबर 08003222850 पर संपर्क कर सकते हैं। इस मामले में कमला भील ने सभी से उसके गरीब परिवार की मदद करने की गुहार लगाई हैं। गौरतलब हैं कि लापता कालू भील की गुमशुदगी की रिपोर्ट उसके छोटे भाई ओमप्रकाश भील ने स्थानीय रायला पुलिस थाने में भी दर्द कराई थी, मगर पुलिस की निष्क्रियता के चलते अभी तक दो महीने बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं, इस पर पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

श्रीमती डॉ. कविता श्रीवास्तव जी ने योग गुरु राधेश्याम को दिया भारत सरकार का स्वच्छ भारत अभियान अवार्ड

न्यूज 1 अक्टूबर 2021 इस दिन योग गुरु राधेश्याम जयसवार और द ह्यूमन योगा फाउंडेशन वर्ली की टीम पिछले दो-तीन सालों से नेहरू युवा केंद्र में निस्वार्थ भावना से सेवा कर रही है इस के उपलक्ष में नेहरू युवा केंद्र की तरफ से श्रीमती डॉक्टर कविता श्रीवास्तव जीने आ-जादी के अमृत महोत्सव तथा गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम का समापन हुआ उस के दूसरे दिन योग गुरु राधेश्याम और और उनकी टीम को श्रीमती डॉक्टर कविता श्रीवास्तव जी ने अमृत महोत्सव कि प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देक र योग गुरु राधेश्याम जी को डॉ कविता श्रीवास्तव जी ने सम्मानित किया। संजय योगा टीचर और सुयोध योगा टीचर प्रमाण पत्र और ट्रॉफी ग्रहण करके खूब आनंदित हुए। पत्रकार सुनील ज्ञानदेव भोसले जी के माध्यम से प्रकाशित हुआ।

सिनेबस्टर मैगजीन के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स ने किया शानदार दीवाली मिलन समारोह का आयोजन

आरती नागपाल, पंकज बेरी, अरुण बख्शी, सुनील पाल, ज्योती सक्सेना, निलेश मल्होत्रा, किशोरी शहाणे वीज, दिलीप सेन और लीना कपूर सहित कई सेलेब्रिटी गेस्ट रहे उपस्थित, मीडियाकर्मियों को भी दिया अनोखा उपहार रौशनी के पर्व दीपावली के उप्लक्षय में सिनेबस्टर मैगजीन के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स ने मुम्बई में अपने ऑफिस में एक शानदार दीवाली मिलन समारोह का आयोजन किया जहां काफी सेलेब्रिटीज ने भी शिरकत की। दीप जलाने के इस त्योहार में कई मेहमान और मीडियाकर्मी इस समारोह में खुशियों का दीप जलाने आए। इस दीवाली मिलन समारोह मे सेलेब्रिटी गेस्ट में एक्ट्रेस आरती नागपाल, पंकज बेरी, अरुण बख्शी, सुनील पाल, ज्योती सक्सेना, निलेश मल्होत्रा, किशोरी शहाणे वीज, दिलीप सेन और लीना कपूर हाजिर हुईं। सभी ने रॉनी रॉड्रिग्स को दीवाली की शुभकामनाएं दीं। और रॉनी रॉड्रिग्स ने आए तमाम मेहमानों को विशेष उपहार से नवाजा। कोरोना काल के बाद दीवाली मनाई जा रही है। इस खास मौके पर आरती नागपाल ने कहा कि रॉनी जी ने फैंटास्टिक वर्क किया है। उन्होंने पहले सभी स्टाफ को गिफ्ट दिया। और सभी को एक नजर से देखा। उनका यही जज्बा और उनकी दरियादिली उन्हें एक अलग और बड़ी हस्ती बनाती है। मैं उन्हें और सभी फैन्स को हैप्पी दीवाली कहना चाहती हूं। एक्टर पंकज बेरी ने यहां मीडिया से बात करते हुए बताया कि रॉनी जी को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने इस प्रोग्राम को दीवाली मिलन का नाम दिया है, यह बड़ा अच्छा लगा। उन्होंने सभी मेहमानों और अपने तमाम स्टाफ को साथ ही मीडिया वालों को बेहतरीन और यादगार तोहफों से नवाजा। यह उनका बड़ापन है। बहुत अच्छी बात है कि थेटर फिर खुल गए हैं और कोरोना काल के बाद रौनक एक बार फिर छा गई है। एक्ट्रेस लीना कपूर ने यहां कहा कि रॉनी जी द्वारा अयोजित यह दीवाली मिलन समारोह मुझे बहुत अच्छा लगा। यहां आरती नागपाल, पंकज बेरी और अरुण बख्शी से मिलकर अच्छा लगा। मैं सभी को दीवाली की शुभकामनाएं देती हूं। आपको बता दें कि सिनेबस्टर मैगजीन के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स ने इस समारोह में आए हुए तमाम गेस्ट्स के साथ मीडिया वालों को भी खास उपहार दिया और उनकी इस दरियादिली की सभी ने प्रशंसा की। इस दीवाली मिलन समारोह के पीआर की जिम्मेदारी मुंडे न्यूज के रमाकांत मुंडे ने बखूबी निभाई।

लोग स्वाद के साथ अपनी सेहत का भी ध्यान रखें - प्रो.करुणा चांदना

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ₹त्यौहारों में खान पान₹ पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।जिससे आने वाले त्यौहारों में स्वस्थ रह कर पर्व का आनन्द ले सकें। प्रो.करुणा चांदना ने मुंबई हलचल को बताया कि त्यौहारों का हमारे जीवन में विशेष महत्व है!बिना त्यौहार के हमारा जीवन नीरस बन जाता है। त्यौहार हमारे जीवन में उत्साह प्रसन्नता लाते हैं। हमारा जीवन उमंग से भर जाता है। भारत को पर्व और त्यौहारों का देश कहा जाता है क्योंकि यह अनेकता में एकता का देश है। इसकी झलक हमें त्यौहारों के अवसर पर मिलती है। बात त्यौहारों की हो तो मन में बरबस ही भव्य आयोजन की छवि बन जाती है। परंतु करोना काल में त्यौहार मनाना एक चुनौती के समान है। जैसा कि भारतीयों के अनुसार त्यौहार का मतलब यानी मौज-मस्ती और ढेर सारे पकवान, मिठाई , तला चटपटा भोजन। लेकिन जब आप जुबान के चटकारे भरने लगते हैं तो सेहत का मिजाज बिगड़ने लगता है नतीजा त्यौहार की खुमारी तो उतर जाती है। पर अफसोस रह जाता है तो क्यों ना इस बारी उत्सव के इस उत्साह में सतर्कता का दामन ना छोड़े। भीड़भाड़ वाले इलाकों में कोविड-एप्रोप्रियेट बिहेवियर का पालन करें। खाने पीने पर नियंत्रण रखें, डिटॉक्स करें। बाहर की मिठाइयों और चॉकलेट, मीठे बंद डिब्बे वाले जूस ना पिए। इसकी जगह इस बार घर में ही मिठाई और पकवान बनाकर पोषण का तड़का लगाएं। आप देखेंगे कि सेहत और स्वाद की जुगलबंदी करने से त्यौहार की खुशियां दुगनी हो गई हैं! केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हम अपने पर्वो को सदभावना, स्नेह से मनाये, इसकी पवित्रता का ध्यान रखें और घर के पकवानों का आनंद लें! मुख्य अतिथि आर्य नेता आर पी सूरी व अध्यक्ष रचना वर्मा ने कहा कि खान पान की शुद्धता से जीवन को सुखी व स्वस्थ बनाएं।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि शराब,मांसाहारी भोजन,नशा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।गायिका रजनी चुघ, कमलेश चांदना, मधु खेड़ा, विमला आहूजा, विजय खुल्लर, प्रतिभा कटारिया, विजयलक्ष्मी आर्या, रेणु घई, वीरेन्द्र आहूजा, जनक अरोड़ा, कुसुम भंडारी, बिन्दु मदान, रजनी गर्ग,ईश्वर देवी,दीप्ति सपरा,राज चावला आदि ने मधुर गीत प्रस्तुत किए!

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हिमाचल में भाजपा है पावर में, लेकिन मुरझाया (कमल)

कांग्रेस ने किया 'क्लीन स्वीप'

रिपोर्टर/अरमान उलहक

हिमाचल। हिमाचल प्रदेश में उपचुनाव नतीजे बीजेपी की टेंशन बढ़ाने वाले हैं मंगलवार को हुई मत गणना में कांग्रेस ने मंडी लोक सभा सीट पर जीत हासिल की साथ ही तीनों विधान सभा सीटों पर भी जनता ने हाथ का साथ दिया हिमाचल में सरकार होते हुए भी कमल का 'मुरझाना', बीजेपी के लिए चिंताजनक हैं।

निवार्चन आयोग द्वारा जारी परिणामों के मुताबिक मंडी संसदीय सीट पर, दिवंगत मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की पत्नी एवं कांग्रेस उम्मीदवार प्रतिभा सिंह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी करगिल युद्ध के नायक एवं भाजपा के उम्मीदवार बिग्रेडियर (अवकाश प्राप्त) खुशाल ठाकुर को शिकस्त दी। इसके साथ ही कांग्रेन ने तीनों विधान सभा सीटों पर भी भाजपा प्रत्याशियों को धूल चटा दी। हिमाचल में कांग्रेस के प्रभारी राजीव शुक्ला ने कहा, नतीजों से स्पष्ट हो गया है कि जनता ने बदलाव का मन बना लिया है। देश में माहौल बदल रहा है। बीजेपी की सरकारों से लोग परेशान हैं। राजीव शुक्ला ने कहा, लोक सभा सीट हारना केंद्र के प्रति नाराजगी और तीनों विधान सभा सीटों पर हार राज्य सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर करता है।

अगर बिजली की खपत शून्य से 30 यूनिट है, तो रहें सावधान...की जा सकती है जांच

बिजली चोरों के खिलाफ अधिकारियों का अभियान

बुलढाणा। महावितरण द्वारा ज़िले में कई जगहों पर प्रति माह 0 से 30 यूनिट बिजली का उपयोग करने वाले ग्राहकों के मीटर की जांच की जा रही है। हाल ही में यह बात सामने आई है कि मीटर, इलेक्ट्रॉनिक्स चिप्स या रिमोट में बदलाव कर मीटर की गति धीमी की जा रही है। कई मकान मालिक, दुकान मालिक के साथ-साथ उद्यमी भी मीटर तोड़ देते हैं। सूत्रों ने बताया कि महावितरण कि ओर से बिजली बिल की वसूली के साथ-साथ बिजली चोरी करने वाले ग्राहकों पर भी नजर रखे हुए है. यह देखा गया है कि बिजली चोरी में घरेलू उपभोक्ता

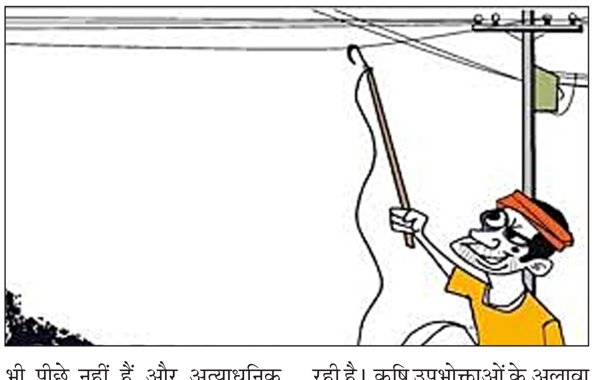

भी पीछे नहीं हैं और अत्याधुनिक किटों का इस्तेमाल कर चोरी की जा रही है। कृषि उपभोक्ताओं के अलावा घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक बिजली उपभोक्ताओं का करोड़ों रुपये बकाया है। इसमें कोरोना लॉकडाउन के दौरान का बकाया भी शामिल है। इससे पता चलता है कि महावितरण की वित्तीय स्थिति बिगड़ती जा रही है।

मुख्य अभियंता व अधीक्षण अभियंता अभियान को अमल में लाकर बिजली उपभोक्ताओं से अपने बिजली बिल का भुगतान करने की अपील कर रहे हैं. यह देखा जाना बाकी है कि महावितरणकी अपील पर बिजली उपभोक्ता कैसे प्रतिक्रिया देंगे। बताया जा रहा है कि दिवाली के बाद अभियान को रफ्तार मिलेगी।

जमुनी इंतखाब में कुशेश्वरस्थान और तारापुर असेंबली की जीत नीतीश कुमार की तरक्की और भरोसा की जीत है

जनता दल यूनाइटेड अकलीयत सेल के नाइव सदर जनाब वसीम अहमद साहब ने नीतीश कुमार को दी मुबारकबाद

संवाददाता/ मो. सालिम आजाद

मधुबनी। जनता दल यूनाइटेड अकलीयत सेल के नाइब सदर जनाब वसीम अहमद साहब ने कुशेश्वरस्थान और तारापुर में जनता दल यूनाइटेड के उम्मीदवार को जीत मिली है उसके लिए वजीर आला नीतीश कुमार बिहार और दोनों एसेम्बली के आवाम को मुबारकबाद पेश की है उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से बिहार की आवाम की जीत है बिहार की आवाम इंसाफ के साथ तरक्की और समाजी भाई चारगी चाहती है और उम्मीद करते कि बिहार के वजीर आला नीतीश कुमार की कीयादत रियासत बिहार में मजीद तरक्की करेगा उन्होंने कहा कि जनता दल यूनाइटेड सभी तबकात के लिए इमानदारी के साथ काम करते है और बिहार को बुलंदी तक पहुंचाना

ही उनका मकसद है एवं उनके साथ है उन्होंने कहा कि जनता दल यूनाइटेड के बिहार के दोनों असेंबली हलकों में होने वाले जमुनी इंतखाब में कामयाबी हासिल की है और दोनों हलकों से जनता दल यूनाइटेड के उम्मीदवार फतेह हासिल की है। जमुनी इंतखाब में वजीर आजम नीतीश कुमार का तीर सही निशान पर लगा है।

यूपी के संभल में भू माफियाओं के हौसले बुलंद

सरकारी जमीनों पर लेखपाल करवा रहा कब्जा!

संभल। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद जैसे ही सूबे में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो भू माफियाओं के लिए बुरी खबर जरूर मिली लेकिन दो चार भू माफियाओं पर नकेल कसने के बाद भू माफियाओं का कुछ नहीं बिगड़ा जबकि योगी सरकार भू माफियाओं के लगातार विरोध में हैं और भू माफियाओं को जेल भेजने के लिए ठोस कदम भी उठा रही है लेकिन राजस्व विभाग की मिलीभगत के चलते यह भू माफिया सरकार के नियमों को ताक पर रखकर खुलेआम सरकारी ग्राम समाज की जमीनों पर अवैध कब्जा कर रहे हैं राजस्व विभाग को सब कुछ पता होते हुए भी राजस्व विभाग इन भू माफियाओं पर कोई भी कार्यवाही नहीं कर पा रहा है हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के जनपद संभल के हयातनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली चौकी सराय तरीन के ऊष्मा सराय गांव स्थित ग्राम समाज की जमीन खसरा संख्या 49 रकबा 0.599 हेक्टेयर पर संपत्ति है जो फिलहाल तालाब श्रेणी 6(1) दर्ज की गई है इस पर कुछ भू माफियाओं ने लेखपाल वरुण सक्सेना से मिलीभगत के चलते इस सरकारी संपत्ति पर मिटटी डलवा कर तालाब के अस्तित्व को खत्म किया जा रहा है जिससे सरकार की करोड़ों रुपए की भूमि को भू माफिया अपने कब्जे में कर रहे हैं कई बार शिकायत के बाद भी हल्का लेखपाल वरुण सक्सेना ने मौके पर जाने की हिम्मत नहीं जुटाई आखिर योगी सरकार भू माफियाओं पर कैसे लगाम लगा पाएगी जब राजस्व विभाग ही भू माफिया से हम साज हो जाए तब भू माफियाओं के तो बारे के न्यारे होने लाजिमी है ही आखिर एक लेखपाल चंद पैसों के लालच में करोड़ों रुपए की सरकारी संपत्ति पर भू माफियाओं को अपने संरक्षण के चलते कब्जा दिला रहा है।

उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन के चुनाव में सम्भल के संजीव भारद्वाज बने संयुक्त सचिव

रिपोर्टर/अरमान उलहक

सम्भल। उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन के चुनाव में डॉ सीमा शर्मा अध्यक्ष, वीरेंद्र विक्रम सिंह महासचिव व संजीव भारद्वाज संयुक्त सचिव चुने गए।

उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन की एक चुनावी सभा मेरठ पब्लिक स्कूल मेरठ में आयोजित की गई। बास्केटबॉल एसोसिएशन की प्रांतीय ईकाई का चुनाव सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी महेश प्रसाद, भारतीय बास्केटबॉल संघ के महासचिव चन्द्र मुखी शर्मा,व उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नामित चुनाव अधिकारी की देखरेख में सम्पन्न हुआ। प्रांतीय कार्यकारिणी के चुनाव में डॉ सीमा शर्मा को जहा अध्यक्ष चुना गया वही पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी आर एस बेदी, डॉ हरिसिंह, सुनील दत्ता, रामकुमार सिंह व बरेली के पुलिस क्षेत्राधिकारी दिलीप सिंह समेत पांचों को उपाध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही वीरेंद्र विक्रम सिंह को महासचिव तथा डॉ मनी अवस्थी को कोषाध्यक्ष चुना गया। जबकि सम्भल के संजीव भारद्वाज, पवन कुमार व मिर्जा शहबाज वेग को निर्विरोध संयुक्त सचिव चुना गया। इसके अलावा चन्दौसी के डॉ अमोल कंचन, संदीप यादव, संजय शर्मा, डॉ भूपेन्द्र कुमार,रमन पाराशर, डॉ धीरेन्द्र तिवारी तथा मनीष श्रीवास्तव को प्रदेश प्रबन्ध कार्यकारिणी का सदस्य चुना गया।

भारतीय बास्केटबॉल संघ के संरक्षक एडीएजी व प्रधानमंत्री सुरक्षा अधिकारी आलोक शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक भारत भूषण, चन्द्रमुखी शर्मा व डॉ ए एच रजा ने नव गठित प्रांतीय एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों को बधाई दी।

जबकि नव निर्वाचित अध्यक्ष डॉ सीमा शर्मा ने प्रदेश में बास्केटबॉल खेल व खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया।

सॉफ्ट और खूबसूरत पैरों के लिए इस तरह तैयार करें ये फुट मास्क

कई बार गंदे पैरों के कारण आपकी फेवरेट हील्स भी खराब दिखने लगती हैं। ऐसा तब होता है जब आपके पैर डल दिख रहे होते हैं या फिर एड़ियां फट रही होती हैं। तो चलिए जानते हैं पैरों को कैसे साफ किया जाएं। इसके लिए घर में ही पैरों का पैक बनाकर लगा सकते हैं। तो जानते हैं घर में कैसे बनाया जाए फुट मास्क।

1) हल्दी, बेसन और गुलाब जल

हल्दी पाउडर, बेसन में कुछ बूंद दूध और गुलाब जल मिलाएं। इस पेस्ट को अपने पैरों पर लगाएं और लगभग 20 मिनट के लिए छोड़ दें। गर्म पानी से धो लें और तौलिये से पोछें। फिर फुट क्रीम का इस्तेमाल करें। यह फुट मास्क बेहद ड्राई और फटी एड़ियों को ठीक क रने में मदद करता है और उन्हें सुपर सॉफ्ट और सुंदर बनाता है।

2) खीरा , नींबू और ऑलिव ऑयल

मिक्सर में खीरा, नींबू का रस और कुछ बूंदें ऑलिव ऑयल मिलाएं और अच्छे से इसे मिक्स करें।अब इसे अपने पैरों पर अच्छे से लगाएं और फिर 20 से 25 मिनट लगा कर रखें।अब अपने पैरों तो नॉर्मल पानी से साफ करें, फिर हल्के क्लिंजर का इस्तेमाल करें।

3) ओट्स, शहद और नींबू

एंटी बैक्टीरियल गुणों से भरपूर, नींबू त्वचा को चमकदार बनाता है, जबकि ओट्स एक्सफोलिएट करता है और शहद पैरों को मॉइश्चराइज करता है। इस फुट मास्क को एक्सफोलिएट करने, टैन हटाने और अपने पैरों को चमकदार बनाने के लिए लगाएं।

ओट्स में शहद और नींबू का रस मिलाएं। इस मिश्रण को अपने पैरों पर लगाएं और डेड स्किन कोशिकाओं को हटाने के लिए इससे धीरे से मालिश करें। इसे गुनगुने पानी से धोने से पहले सूखने दें। अपने पैरों को तौलिए से सुखाएं और मॉइस्चराइजर लगाएं।

अध्ययन में खुलासा

तापमान बढ़ने से बढ़ा सकता है किडनी खराब होने का खतरा

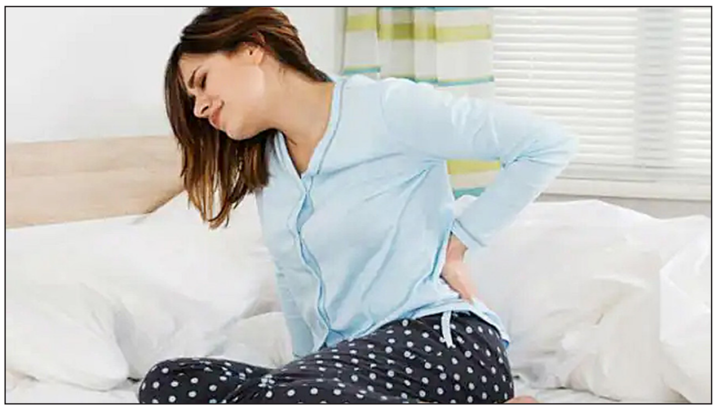

तापमान में बदलाव और किडनी की बीमारी के बीच संबंध है। तापमान बढ़ने से किडनी खराब होने का खतरा अधिक रहता है। दुनिया के सबसे बड़े अध्ययन में इसका खुलासा हुआ है। अध्ययन में दावा किया गया है कि किडनी संबंधी बीमारियों से ग्रसित 7.4 प्रतिशत मरीज तापमान में वृद्धि की वजह से अस्पताल में भर्ती हैं।

शोध में इस बीमारी के लिए तापमान में वृद्धि को जिम्मेदार ठहराया गया है। अध्ययन के निष्कर्ष को 'द लैंसेट रीजनल हेल्थ-अमेरिकाज' जर्नल में प्रकाशित किया गया था। इसके केंद्र में ब्राजील था। ब्राजील में 2000 से 2015 के बीच किडनी की बीमारी के 202,000 से अधिक मामले आए हैं।

मोनाश विश्वविद्यालय में प्लैनेटरी हेल्थ के प्रोफेसर युमिंग गुओ और डॉ. शानशान ली ने अध्ययन का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने ब्राजील के 1816 शहरों के अस्पतालों से रोजाना डाटा प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने तापमान और किडनी की बीमारियों के जोखिम का अध्ययन किया और इसके लिए जिम्मेदार तत्व को मापा। बता दें कि यह अध्ययन तब आया है जब 31 अक्तूबर से ग्लासगो में कॉप-26 सम्मेलन में दुनिया जलवायु परिवर्तन पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है।

2017 में द लैंसेट में एक ऐतिहासिक लेख में किडनी की बीमारियों को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता घोषित किया था। इसमें अनुमान लगाया गया था कि उस वर्ष लगभग 20 मिलियन मौतें खराब किडनी के कारण हुई थीं। किडनी की बीमारी से मौत की घटनाओं में एक दशक पहले की तुलना में 26.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इस अध्ययन से यह संकेत मिल है कि यह वृद्धि आंशिक रूप से जलवायु परिवर्तन के कारण हुई है।

गंदा ब्यूटी ब्लेंडर भी बन सकता है मेकअप खराब करने का कारण

जो लोग रोजाना मेकअप करते हैं वह तो ब्यूटी ब्लेंडर के फायदों के बारे में जानते ही है। ब्यूटी ब्लेंडर एक तरह का मेकअप स्पंज है। अगर आप किसी मेकअप टूल का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो आप ब्यूटी ब्लेंडर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे इस्तेमाल करना सबसे आसान है। ये आपको आसानी से फाउंडेशन को एस सा स्प्रेड करने में मदद करता है। ये इस बात को सुनिश्चित करता है कि आपका मेकअप पूरी तरह से ब्लेंड हो जाए और फिर स्किन पर वह फ्लॉलेस दिखे। अब ऐसे में ये ब्यूटी ब्लेंडर काफी जल्दी गंदा भी हो जाता है इसलिए 3 से 4 बार इस्तेमाल के बाद इसे साफ करना जरूरी होता है। जानते हैं, ब्यूटी ब्लेंडर को साफ करने के आसान तरीके।

1) इसे साबुन के पानी से धो सकते हैं। आप या तो डिश वॉशिंग साबुन, डिटर्जेंट, हैंड वॉश, शैम्पू या बॉडी वॉश का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि स्पंज साफ है, इसे अपने हाथों से ठीक से रगड़ें और फिर बहते पानी के नीचे डालें और फिर इसे निचोड़ें, जब तक साबुन का सारा पानी धुल न जाए।

2) अगर आप मेकअप के करते हैं, तो आपके पास ब्रश क्लीनिंग मैट होगा। यह न केवल आपके मेकअप ब्लेंडर्स को बल्कि मेकअप ब्रश को भी साफ करेगा। इसके लिए मैट पर साबुन की कुछ बूंदें गिराएं और उस पर नम स्पंज को रगड़ें। इसे हल्के हाथ से रगड़ें और फिर पानी से धोएं।

3) नारियल तेल जैसे कोल्ड प्रेस्ड ऑयल की मदद ले सकते हैं। एक सूखे स्पंज पर थोड़ा सा तेल लगाएं और इसे थोड़ा सा रगड़ें। स्पंज को तेल में अच्छी तरह से भीगने दें। बाद में, आप ब्यूटी ब्लेंडर में मौजूद तेल से छुटकारा पाने के लिए साबुन के पानी से धो सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर